SJU Govt. Registered Social Justice Union

दैनिक न्याय साक्षी

अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्यायसाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, रविवार 20 अप्रैल 2025 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-07, अंक- 198

भूकंप से फिर हिली दिल्ली-एनसीआर की धरती, जम्मू-कश्मीर में भी महसूस हुए झटके

अफगानिस्तान बॉर्डर पर था केंद्र

नई दिल्ली । आरएनएस

अफगानिस्तान में शनिवार दोपहर 12:17 बजे रिक्टर पैमाने पर 5.8 तीव्रता का भूकंप आया। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (एनसीएस) ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट के जरिए भूकंपीय गतिविधि की पुष्टि की। भूकंप का केंद्र 36.10 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 71.20 डिग्री पूर्वी देशांतर पर 130 किलोमीटर की गहराई पर स्थित था।

भूकंप के झटके जम्मू-कश्मीर और दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र सहित भारत के कई उत्तरी क्षेत्रों में महसूस किए गए। हालांकि खबर लिखे जाने तक किसी जानमाल के नुकसान की कोई खबर नहीं आई।

इससे पहले बुधवार को अफगानिस्तान में 5.6 तीव्रता का भूकंप आया था, जिसका केंद्र बगलान से लगभग 164 किलोमीटर पूर्व में था। यूरोपीय-भूमध्यसागरीय भूकंप विज्ञान केंद्र (ईएमएससी) ने शुरू में भूकंप की तीव्रता 6.4 बताई थी, लेकिन बाद में इसे संशोधित कर 5.6 किया गया। जम्मू और कश्मीर के किश्तवाड़ क्षेत्र में भी बुधवार सुबह करीब 5:14 बजे रिक्टर पैमाने पर 2.4 तीव्रता का हल्का भूकंप आया।

मानवीय मामलों के समन्वय हेतु संयुक्त राष्ट्र कार्यालय (यूएनओसीएचए) ने का कहना है कि अफगानिस्तान भूकंप, भूस्खलन और मौसमी बाढ़ जैसे प्राकृतिक खतरों के प्रति अत्यंत संवेदनशील है।

यूएनओसीएचए का कहना है कि अफगानिस्तान में लगातार होने वाली भूकंपीय गतिविधियां पहले से ही कमजोर समुदायों को गंभीर रूप से प्रभावित करती हैं, जिन्होंने वर्षों से संघर्ष और पिछड़ेपन को सहन किया है। रेड क्रॉस के अनुसार, अफगानिस्तान में शक्तिशाली भूकंपों का अनुभव करने का एक लंबा इतिहास रहा है, खासकर हिंदू कुश क्षेत्र में। यह इलाका अपनी तीव्र भूगर्भीय गतिविधि और लगातार झटकों के लिए जाना जाता है।

यह देश कई प्रमुख फॉल्ट लाइनों के बीच स्थित है, जहां भारतीय और यूरेशियन टेक्टोनिक प्लेटें मिलती हैं। इनमें से एक फॉल्ट लाइन सीधे हेरात से होकर गुजरती है, जिससे इस क्षेत्र में भूकंपीय घटनाओं का खतरा बढ़ जाता है। अक्टूबर 2023 में, 6.3 तीव्रता सहित कई शक्तिशाली भूकंपों ने पश्चिमी अफगानिस्तान, विशेष रूप से हेरात को तबाह कर दिया था, जिसमें 1,000 से अधिक लोगों की मौत हो गई और हजारों लोग विस्थापित हुए।

राज्य में पदस्थ दर्जनों आईएएस अफसरों के प्रभार में भारी फेरबदल

रायपुर । आरएनएस

छत्तीसगढ़ राज्य में पदस्थ भारतीय प्रशासनिक सेवा के 41 अफसरों का थोक में तबादला कर दिया गया है। सामान्य प्रशासन से इस संबंध में आदेश भी जारी हो चुका है। जीएडी से जारी आदेशानुसार जिन अफसरों का ट्रांसफर हुआ है अथवा उनके प्रभारों में फेरबदल किया गया है उनमें :-टोपेश्वर वर्मा, जनक प्रसाद पाठक, श्रीमती शिखा राजपूत, डा. प्रियंका शुक्ला, श्रीमती किरण कौशल, अवनीश कुमार शरण, सुनील कुमार जैन, केडी कुंजाम, कार्तिकेय गोयल, सारांश मित्तर, पदुम सिंह एल्मा, रमेश कुमार शर्मा, धर्मेश कुमार साहू, भूरे सर्वेश्वर नरेन्द्र, जितेंद्र शुक्ला, जनमेजय महोबे, रिमिजियुस एक्का, रजत बंसल, तारण प्रकाश सिन्हा, सुश्री इफ्फत आरा, सुश्री दिव्या उमेश मिश्रा, संजय अग्रवाल, इंद्रजीत सिंह चंद्रवाल, जगदीश सोनकर, संतोष कुमार देवांगन, कुंदर कुमार, ऋतुराज रघुवंशी, सुश्री नुपूर राशि पन्ना, विजय दयाराम, राहुल देव, दीपक कुमार अग्रवाल, अरविंद कुमार एक्का, सुश्री संतन देवी जांगड़े, संजय कन्नौजे, सुखनाथ अहिरवार, भगवान सिंह उइके, आकाश छिकारा, मयंक चतुर्वेदी, कुणाल दुदावत चंद्रकांत वर्मा तथा अजय कुमार अग्रवाल का नाम शामिल हैं। इन सभी आईएएस अफसरों के प्रभारों में काफी बदलाव किया गया है।

महत्वपूर्ण एवं खास

नाव में खाना बनाते समय हुआ धमाका, 143 लोगों की गई जान; कई दर्जनों हुए लापता

कांगो । दक्षिण अफ्रीकी देश कांगो में एक भयावह नाव हादसे में कम से कम 143 लोगों की मौत हो गई है, जबकि दर्जनों लोग अब भी लापता हैं। यह दर्दनाक घटना मंगलवार को राजधानी मबंडाका के पास रूकी और कांगो नदी के संगम पर हुई, जहां दुनिया की सबसे गहरी नदी मानी जाती है। बताया जा रहा है कि यह नाव तय सीमा से ज्यादा यात्रियों को लेकर यात्रा कर रही थी। इसी दौरान नाव पर मौजूद एक महिला खाना बना रही थी, तभी आग पास रखे अत्यधिक ज्वलनशील ईंधन से संपर्क में आ गई और जोरदार विस्फोट हो गया। इससे नाव में आग लग गई और कुछ ही देर में अफरा-तफरी के बीच नाव पलट गई। घटना के बाद राहत और बचाव कार्य जारी है। जांच प्रतिनिधिमंडल की प्रमुख जोसेफिन लोकुमु ने बताया कि अब तक 145 शव बरामद किए जा चुके हैं। इनमें कई शव बुरी तरह जले हुए हैं, जिससे उनकी पहचान मुश्किल हो रही है। स्थानीय नागरिक संगठनों और प्रशासन की मदद से शवों का अंतिम संस्कार किया जा रहा है। नागरिक नेता जोसेफ लोकोंडो ने बताया कि कई लोग विस्फोट में जलकर मारे गए, जबकि कई लोग डूबने से जान गंवा बैठे। लापता लोगों की तलाश और राहत कार्य युद्धस्तर पर जारी है। इस हादसे ने कांगो में जल परिवहन की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

भारत आएंगे एलन मस्क, बोले-मैं बेसब्री से कर रहा इंतजार, मेरे लिए सम्मान की बात

न्यूयॉर्क। टेस्ला और स्पेसएक्स के सीईओ एलन मस्क ने शनिवार को कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी से बात करना उनके लिए सम्मानजनक है और वह इस साल के अंत में भारत आने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। अरबपति बिजनेसमैन और पीएम मोदी ने इससे पहले कई मुद्दों पर चर्चा की, जिसमें टेक्नोलॉजी और इनोवेशन के क्षेत्रों में सहयोग की संभावनाएं शामिल हैं। एलन मस्क ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया, पीएम मोदी से बात करना सम्मानजनक है। मैं इस साल के अंत में भारत आने का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं। पीएम मोदी ने टेस्ला के सीईओ से कई मुद्दों पर बातचीत की। पीएम मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, एलन मस्क से अलग-अलग मुद्दों पर बात की, जिसमें इस साल की शुरुआत में वाशिंगटन डीसी में हमारी बैठक के दौरान शामिल किए गए विषय भी शामिल हैं। हमने टेक्नोलॉजी और इनोवेशन के क्षेत्रों में सहयोग की अपार संभावनाओं पर चर्चा की। इन क्षेत्रों में भारत, अमेरिका के साथ अपनी साझेदारी को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। इससे पहले पीएम मोदी ने इस साल फरवरी में अमेरिका की अपनी यात्रा के दौरान वाशिंगटन में मस्क से मुलाकात की थी। बैठक के बाद पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा था, वाशिंगटन डीसी में एलन मस्क के साथ बैठक अच्छी रही। हमने स्पेस, मोबिलिटी, टेक्नोलॉजी और इनोवेशन जैसे कई मुद्दों पर चर्चा की, जिनमें वे मुद्दे भी शामिल हैं, जिन्हें लेकर वे बेहद उत्साही हैं। मैंने सुधार और 'मिनिमम गवर्नमेंट, मैक्सिमम गवर्नेंस' को आगे बढ़ाने की दिशा में भारत के प्रयासों के बारे में बात की।

इजरायली सेना ने गाजा पर फिर बरपाया कहर, एयर स्ट्राइक में 45 फिलीस्तीनियों की मौत

गाजा । गाजा पट्टी में इजरायली हवाई हमलों में करीब 45 फिलीस्तीनी मारे गए और दर्जनों अन्य घायल हो गए। यह जानकारी गाजा की सिविल डिफेंस ने दी। सिविल डिफेंस प्रवक्ता महमूद बसल ने बताया कि दक्षिणी शहर खान यूनिस में बरका परिवार के घर पर हुए एक हवाई हमले में 10 लोगों की जान चली गई। इसके अलावा एक बार्बर शॉप पर हुए हमले में छह लोग मारे गए, जिनमें दो बच्चे और एक महिला शामिल हैं। खान यूनिस में अन्य स्थानों पर हुए हवाई हमलों में आठ और लोग मारे गए, जबकि दक्षिणी रफाह शहर में दो लोगों की जान चली गई। वहीं उत्तरी गाजा के तल अल-जातार इलाके में मकदाद परिवार के घर पर हुए हमले में 13 लोग मारे गए और कई अन्य घायल हुए। गाजा सिटी में दो बेघर कैंपों पर हुए हमलों में छह और लोगों की मौत हुई। सिविल डिफेंस ने चेतावनी दी है कि ईंधन की कमी के कारण आने वाले दिनों में उनकी आपात सेवाएं बंद हो सकती हैं। उन्होंने बताया कि इजरायल की ओर से मानवीय सहायता और ईंधन की आपूर्ति पर प्रतिबंध लगाया जा रहा है, जिससे राहत कार्यों में मुश्किलें आ रही हैं।

मातम में बदली खुशियां, बारात से लौट रही कार खाई में गिरी; 5 की गई जान

चमोली । आरएनएस

उत्तराखंड के चमोली जिले में एक बेहद दर्दनाक हादसे में बारात से लौट रही कार गहरी खाई में गिर गई, जिससे पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। यह घटना शुक्रवार शाम करीब सात बजे बिरही-निजमूला मोटर मार्ग पर गाड़ी गांव के पास कोरेलधार में हुई।

जानकारी के अनुसार, सभी मृतक निजमूला क्षेत्र से शादी समारोह में शामिल होकर दशोली विकासखंड के हरमनी गांव लौट रहे थे। वापसी के दौरान वाहन अनियंत्रित होकर खाई में गिर गया। घटना का पता तब चला जब बारात में शामिल एक कार लापता पाई गई और उसकी तलाश शुरू की गई।

खाई में गिरी कार को देखकर ग्रामीणों ने तुरंत पुलिस और प्रशासन को सूचना दी। भारी बारिश के बावजूद एसडीआरएफ और पुलिस की टीम ने मौके पर पहुंचकर रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया और सभी शवों को बाहर निकाला। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। हादसे की वजहों की जांच की जा रही है। शुरुआती जानकारी के अनुसार, सड़क की स्थिति और खराब मौसम हादसे की वजह हो सकते हैं। फिलहाल, इस दुर्घटना ने पूरे क्षेत्र को शोक में डुबो दिया है और शादी की खुशियां मातम में बदल गईं।

इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग इकोसिस्टम ने 10 वर्षों में 25 लाख नौकरियां पैदा कीं : केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव

नई दिल्ली । आरएनएस

केंद्रीय रेलवे और इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण उद्योग ने 11 लाख करोड़ रुपये के आंकड़े को पार कर पिछले 10 वर्षों में पांच गुना वृद्धि दर्ज करवाई है। साथ ही यह पूरा इकोसिस्टम 25 लाख नौकरियां पैदा करने में सक्षम रहा।

हरियाणा के मानेसर में वीवीडीएन टेक्नोलॉजीज की एसएमटी (सरफेस माउंट टेक्नोलॉजी) लाइन का उद्घाटन करते हुए केंद्रीय मंत्री ने बताया कि पिछले एक दशक में इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात छह गुना बढ़कर 3.25 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया है।

यह वीवीडीएन को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) सर्वर, नेटवर्किंग इक्विपमेंट और मदरबोर्ड जैसे लार्ज और कॉम्प्लेक्स प्रोडक्ट्स को मैन्युफैक्चर करने में मददगार होगा, जिससे आयात पर निर्भरता कम करने और भारत के सप्लाई चेन को मजबूत करने में भी मदद मिलेगी।

केंद्रीय मंत्री ने कहा, वैश्विक बाजारों में भारतीय उत्पादों को उनकी विश्वसनीयता बनाए रखने और आई अधिकारों के सम्मान का फायदा मिलता है। इन उत्पादों को वैश्विक स्तर पर मान्यता मिल रही है।

उन्होंने आगे कहा कि हाल ही में स्वीकृत 22,919 करोड़ रुपए की इलेक्ट्रॉनिक्स कंपोनेंट्स पीएलआई इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग इकोसिस्टम को बेहतर बनाने में अहम होगी।

उद्घाटन समारोह डिजाइन और मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत पहलों के लिए एक प्रमुख मील का पत्थर साबित हुआ, जो इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पाद इंजीनियरिंग और हाई-वॉल्यूम मैन्युफैक्चरिंग में भारत की घरेलू क्षमताओं की बढ़ती ताकत को दिखाता है।

नई उद्घाटित एसएमटी लाइन वीवीडीएन की सबसे बड़ी लाइन है, जो 850 मिमी & 560 मिमी तक के पीसीबी साइज को सपोर्ट करती है और इसकी हाई-स्पीड कैपेसिटी 2,50,000 सीपीएच (कंपोनेंट पर आवर) है।

केंद्रीय मंत्री ने अपने विजिट के दौरान वीवीडीएन की आरएंडडी लैब्स (सर्वर आरएंडडी लैब, 5जी आरएंडडी लैब और वीडियो इमेज ट्यूनिंग लैब) का भी दौरा किया। उन्होंने वीवीडीएन टेक्नोलॉजीज के भारत के एआई सर्वर 'आदिपोली' को भी देखा।

वेतन में हुई कटौती का सिक्योरिटी सुपरवाइजर ने मालिक के पालतू कुत्ते का अपहरण कर लिया बदला, तलाश में जुटी पुलिस

मुंबई । आरएनएस

मुंबई के जुहू इलाके में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जहां सिक्योरिटी सुपरवाइजर राजेंद्र पंढारकर ने अपने मालिक से सैलरी कटौती का बदला लेने के लिए 14 साल के पालतू डॉग प्रिक्सी का अपहरण कर लिया। प्रिक्सी पोमेरेनियन नस्ल का है। वह जुहू की एक इमारत में रहने वाले अदिति जोशी के परिवार का प्यारा सदस्य है। जुहू पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है, जो फिलहाल फरार है।

पुलिस के अनुसार, 30 वर्षीय पंढारकर एक प्राइवेट सिक्योरिटी एजेंसी में सुपरवाइजर था और उसकी मासिक सैलरी 25,000 रुपये थी। पिछले महीने कॉन्ट्रैक्टर के साथ विवाद के बाद उसकी सैलरी से 4,000 रुपये काट लिए गए। नाराज पंढारकर ने कॉन्ट्रैक्टर से कई बार बात की, लेकिन जब बात नहीं बनी, तो उसने प्रिक्सी को अगवा करने की साजिश रची।

घटना 15 अप्रैल की सुबह 8 बजे की है। जोशी परिवार ने रोज की तरह प्रिक्सी को टहलाने के लिए सिक्योरिटी गार्ड को सौंपा था। पंढारकर एक महीने की अनुपस्थिति के बाद आठ दिन पहले ही नौकरी पर लौटा था। इसके बाद वो प्रिक्सी को लेकर फरार हो गया। इमारत के सीसीटीवी फुटेज में उसे डॉग के साथ ऑटो रिक्शा में सवार होते और फिर अंधेरी स्टेशन से ट्रेन पकड़ते देखा गया।

अदिति जोशी ने बताया, प्रिक्सी 14 साल से हमारे परिवार का हिस्सा है। वह हमारे लिए सिर्फ पालतू नहीं, बल्कि परिवार का सदस्य है। परिवार ने पंढारकर से संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन उसका फोन बंद था। आसपास के इलाकों में तलाश के बावजूद प्रिक्सी का पता नहीं चला। पंढारकर ने एक अन्य सिक्योरिटी गार्ड को मैसेज भेजकर कहा कि उसने प्रिक्सी को अगवा किया है और 25,000 रुपये मिलने पर ही उसे छोड़ेगा।

जुहू पुलिस ने पंढारकर के खिलाफ बीएनएस एक्ट की धारा 316(2) के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस ने रेलवे पुलिस के साथ मिलकर उसकी तलाश तेज कर दी है। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस को संदेह है कि वह मुंबई से बाहर भाग गया हो सकता है। पुलिस का कहना है कि वे जल्द ही आरोपी को पकड़कर प्रिक्सी को सुरक्षित वापस लाने की कोशिश कर रहे हैं।

प्रयागराज के टेंट गोदाम में लगी भीषण आग, दूर से नजर आ रही लपटें

प्रयागराज । आरएनएस

उत्तर प्रदेश के प्रयागराज के शास्त्री ब्रिज के पास लल्लू एंड सन्स टेंट हाउस में शनिवार को भीषण आग लग गई है। सूचना पर फायर ब्रिगेड की गाड़ियां पहुंची और आग बुझाने का काम शुरू किया है।

फायर विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि हमें सूचना मिली कि लल्लू के गोदाम में आग लग गई है। तो वहां जितने भी टैंकर खड़े थे, सभी को रवाना किया गया है। आग की विकरालता को देखते हुए प्रयागराज में नैनी, हंडिया, सोरांव, प्रतापगढ़, कौशांबी समेत अगल-बगल के जिलों से फायर के टैंकर मंगाए गए हैं। डिफेंस के टैंकर भी मांगे गए हैं। आग बहुत ज्यादा है। इसको शील्ड लगाकर बुझाया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि भयंकर आग के कारण इसको बुझाने दौरान भी कई लोग झुलस गए हैं। आग बुझाने का काम जारी है। गोदाम में लापरवाही देखी गई है, जहां ओवरफ्लो माल भरा था। कई सिलेंडर भी रखे थे, जो कि ब्लास्ट हुए हैं। इस कारण आग और बढ़ गई है। गोदाम में की गई लापरवाही के लिए बाद में कार्यवाही भी की जाएगी। फिलहाल आग बुझाई जा रही है। आग पर काबू पाने के लिए पानी की गाड़ियां मौके पर भेजी गई हैं और आग पर काबू पाने के प्रयास जारी हैं। अभी तक इसमें किसी के हताहत होने की खबर नहीं है।

स्थानीय लोगों के अनुसार परेड ग्राउंड स्थित एक टेंट हाउस के गोदाम में शनिवार को आग लग गई। देखते ही देखते आग फैलती गई। आग का भयावह रूप देख इलाके में हड़कंप मच गया। ऊंची-ऊंची आग की लपटें और आसमान में धुंए के गुबार दिखाई दिए। कई दमकल आग बुझाने के काम में जुटी हैं। फायर ब्रिगेड के कर्मचारी लगातार आग पर काबू पाने की कोशिश कर रहे हैं। टेंट हाउस में बांस-बल्लियों और अन्य ज्वलनशील पदार्थों के चलते आग बुझाने के काम में दिक्कत आ रही है। टैंकर द्वारा पानी लाया जा रहा है। जिससे आग में काबू पाया जा सके।

सड़क हादसा : पेड़ से टकराई कार, तीन युवकों ने मौके पर ही तोड़ा दम एक की हालत गंभीर

जमुई । आरएनएस

बिहार के जमुई जिले में शनिवार सुबह लछुआर थाना क्षेत्र में महना पुलिया के पास एक भीषण सड़क हादसे में तीन युवकों की मौत हो गई, जबकि एक अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। सभी एक शादी समारोह से लौट रहे थे।

प्राप्त जानकारी के मुताबिक, सभी युवक जमुई शहर से अलीगंज प्रखंड के बेटवा गांव में एक बारात में शामिल होने गए थे। लौटते समय कार की रफ्तार करीब 100 किलोमीटर प्रति घंटा थी।

बताया जा रहा है कि ड्राइवर को झपकी आ गई, जिससे कार अनियंत्रित होकर एक पेड़ से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार का शीशा टूट गया और सभी लोग बाहर गिर गए। मृतकों की पहचान 28 साल के बउआ गुप्ता, सिरचंद इलाके के रिशु सिन्हा और शहर के कल्याणपुर इलाके के विक्रम यादव (30 साल) के तौर पर हुई है। जबकि चौथा युवक रोहित कुमार गंभीर रूप से घायल है और उसका इलाज जमुई रेफरल अस्पताल में चल रहा है। तेज आवाज सुन आस-पास के लोग वहां इक ् हुए। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक चार में से तीन ने मौके पर ही दम तोड़ दिया था और एक की हालत गंभीर थी। पुलिस को स्थानीय लोगों ने ही दुर्घटना की सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने एक युवक को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया। घायल को इलाज के लिए पहले सिकंदरा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। मौके पर पहुंची पुलिस ने भी पुष्टि की कि तेज रफ्तार कार पेड़ से टकरा गई जिससे हादसा हुआ। तीन युवकों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया जबकि एक की हालत गंभीर बनी हुई है। घायल की पहचान टाउन थाना क्षेत्र के रोहित कुमार के रूप में हुई है। कागजी कार्रवाई जारी है।

अमेरिका : भारतीय छात्रा को कार ने रौंदा, इलाज के लिए क्राउड फंडिंग से जुटाए गए पैसे, नहीं बच सकी जान

विजयवाड़ा । आरएनएस

भारतीय छात्रा वांगवोलू दीप्ति की टेक्सास के डेंटन शहर में एक हिट-एंड-रन घटना में मौत हो गई। दीप्ति की मास्टर डिग्री कुछ ही हफ्तों में पूरी होने वाली थी। 23 वर्षीय दीप्ति आंध्र प्रदेश के गुंटूर जिले की रहने वाली थी। वह 2023 में गुंटूर के नरसारावपेट इंजीनियरिंग कॉलेज से बीटेक की पढ़ाई पूरी करने के बाद अमेरिका के नॉर्थ टेक्सास विश्वविद्यालय में कंप्यूटर और सूचना विज्ञान में एमएस की पढ़ाई कर रही थी।

दुर्घटना 12 अप्रैल की सुबह हुई, जब दीप्ति और उसकी दोस्त स्निग्धा, सड़क पर चल रही थीं। एक तेज रफ्तार सेडान ने दोनों छात्राओं को कुचल दिया और फरार हो गई। दुर्घटना में दीप्ति के सिर में गंभीर चोटें आईं, जबकि स्निग्धा भी घायल हो गई।

स्निग्धा आंध्र प्रदेश के मेडिकोंडुरु की रहने वाली हैं।

आपातकालीन सेवा के कर्मियों ने दोनों को नजदीकी अस्पताल पहुंचाया, जहां दीप्ति को गहन देखभाल में रखा गया। लगभग 80,000 डॉलर जुटाने वाले क्राउडफंडिंग कैंपेन की मदद से से एडवांस्ड इलाज के के बावजूद, 15 अप्रैल दीप्ति ने दम तोड़ दिया। स्निग्धा का अभी इलाज चल रहा है।

डेंटन पुलिस विभाग ने जांच शुरू कर दी है और वाहन का पता लगाने में जनता की सहायता के लिए अपील जारी की है।

इस समाचार से टूट गए दीप्ति के परिवार ने 10 अप्रैल को उसके साथ हुई अपनी आखिरी बातचीत को याद किया। उसने अपने माता-पिता को मई में होने वाले अपने दीक्षांत समारोह में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया था।

दीप्ति के पिता हनुमंत राव, एक छोटे व्यापारी हैं, और मां रमादेवी, जो एक गृहिणी हैं। उन्होंने ने विदेश में बेटी की शिक्षा के लिए अपने खेत का एक हिस्सा बेच दिया।